सांध्य दैनिक 4PM

मैंने ये जाना है कि डर का न होना साहस नहीं है, बल्कि डर पर विजय पाना साहस है। बहादुर वह नहीं है जो भयभीत नहीं होता, बल्कि वह है जो इस भय को परास्त करता है।

–नेल्सन मंडेला

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 7 ● अंकः 280 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, बुधवार, 17 नवम्बर, 2021

एक साल में शानदार काम को ... 8 | यूपी चुनाव में पायलट को सिंधिया... 3 | उन्नाव में जीका वायरस की दस्तक... 7

भाजपा को पैदल करेगी प्रदेश की जनता : अखिलेश

सपा प्रमुख ने गाजीपुर से किया समाजवादी विजय रथ यात्रा को रवाना

» प्रदेश में दिख रही है बदलाव की लहर, आधे-अधूरे एक्सप्रेस-वे का भाजपा ने किया उद्घाटन

» किसान और नौजवान परेशान, फसल की नहीं मिल रही सही कीमत

» पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर उमड़ा जनसैलाब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव से पहले यूपी का सियासी माहौल गर्म हो गया है। पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे को लेकर सपा-भाजपा में मचे घमासान के बीच सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने आज गाजीपुर से समाजवादी विजय रथ यात्रा को रवाना किया। इस दौरान एक जन सभा को संबोधित करते हुए अखिलेश ने कहा कि प्रदेश की जनता भाजपा को पैदल करेगी। प्रदेश में बदलाव और भाजपा का सफाया तय है।

उन्होंने कहा कि मैं बदलाव की जो लहर देख रहा हूं, वह इस गाजीपुर बॉर्डर से लेकर उस गाजीपुर बॉर्डर तक भाजपा का सफाया करेगी। आने वाले समय में उत्तर प्रदेश में बदलाव होगा। उन्होंने पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर सवाल उठाते हुए कहा कि भाजपा ने आधे-अधूरे बने एक्सप्रेस-वे का उद्घाटन किया। सपा सरकार बनने पर इसके किनारे मंडियां बनायी जाएंगी। इससे किसानों को फायदा होगा। भाजपा सरकार में किसान और नौजवान परेशान हैं। उन्होंने बिना नाम लिए पीएम मोदी और सीएम योगी पर तंज कसते हुए कहा कि खुद तो चल रहे थे चार पहिए की गाड़ी में और कोई चल रहा था पैदल। अब जनता इन्हें पैदल करेगी।

फोटोः सुमित कुमार

ओम प्रकाश राजभर भी रहे मौजूद

समाजवादी पार्टी से गठबंधन करने के बाद सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर आज पहली बार अखिलेश यादव के साथ यात्रा में शामिल हुए। इसके पहले उन्होंने 27 अक्टूबर को अखिलेश यादव के साथ मऊ में जनसभा की थी।

जोरदार स्वागत

सपा प्रमुख अखिलेश यादव के स्वागत मे पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर जनसैलाब उमड़ पड़ा। यात्रा गाजीपुर से शुरू होकर पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे से होते हुए लखनऊ पहुंचेगी। यात्रा के दौरान बाराबंकी, अमेठी, अयोध्या, सुल्तानपुर, अंबेडकरनगर, आजमगढ़, मऊ में जनसंपर्क और सभाएं होंगी।

चुनाव से पहले सपा को झटका चार एमएलसी भाजपा में शामिल

» प्रदेश अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री की मौजूदगी में ली पार्टी की सदस्यता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव के पहले प्रदेश में दल बदलने का सिलसिला जारी है। इसी क्रम में आज सपा के चार एमएलसी ने भाजपा का दामन थाम लिया। प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और डा. दिनेश शर्मा की मौजूदगी में इन नेताओं पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

भाजपा ने सपा में यूपी चुनाव से पहले बड़ी सेंध लगायी है। सपा के चार एमएलसी आज भाजपा में शामिल हो गए। बलिया के एमएलसी व पूर्व पीएम चंद्रशेखर के पोते रविशंकर ने भाजपा की सदस्यता ले ली है। वह सपा में थे। इसके अलावा एमएलसी नरेंद्र भाटी, गोरखपुर के सपा एमएलसी सीपी चंद, झांसी से एमएलसी रमादेवी निरंजन भाजपा में शामिल हुईं। इन्हें भाजपा में शामिल कराने में डिप्टी सीएम दिनेश शर्मा ने अहम भूमिका निभाई है।

लखीमपुर कांड : जांच की निगरानी करेंगे पूर्व जज राकेश कुमार

सुप्रीम कोर्ट ने किया नियुक्त, एसआईटी में शामिल किए गए तीन आईपीएस

» एसआईटी जांच के तरीकों पर कई बार सवाल उठा चुका है सुप्रीम कोर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लखीमपुर खीरी हिंसा मामले में सुप्रीम कोर्ट ने आज पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के पूर्व जज राकेश कुमार जैन को पारदर्शिता और पूर्ण निष्पक्षता के लिए जांच की निगरानी के लिए नियुक्त किया है। इसके साथ कोर्ट ने एसआईटी का भी पुनर्गठन किया है। इसमें तीन वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी, एसबी शिरोडकर, दीपिंदर सिंह और पद्मजा चौहान के नाम शामिल किए गए हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने लखीमपुर हिंसा मामले में आज फिर सुनवाई की और जांच की निगरानी के लिए हाईकोर्ट के पूर्व जज को जांच की निगरानी की कमान सौंपी। इसके अलावा एसआईटी में भी तीन अधिकारियों को तैनात किया। इसके साथ ही कोर्ट ने कहा कि वह इस मामले की अगली सुनवाई चार्जशीट दाखिल किए जाने और पूर्व जज राकेश कुमार जैन की ओर से रिपोर्ट सौंपे जाने के बाद ही करेगा। गौरतलब है कि लखीमपुर हिंसा में चार किसानों समेत आठ लोगों की मौत हो गयी थी। इस मामले में किसानों ने केंद्रीय गृहराज्य मंत्री अजय मिश्रा के बेटे आशीष मिश्रा पर किसानों को गाड़ी से कुचलने का आरोप लगाया था। इस मामले में आशीष फिलहाल जेल में है। वहीं सुप्रीम भी इस मामले में एसआईटी की जांच से खुश नहीं था।

योगी राज में न कानून है न ही संविधान : संजय सिंह

» कानपुर में पुलिस पिटाई से युवक की मौत मामले पर आप नेता ने भाजपा को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पुलिस हिरासत में कासगंज के अल्ताफ की हत्या का मामला अभी थमा भी नहीं कि कानपुर में पुलिस पिटाई से युवक की मौत पर आम आदमी पार्टी के यूपी प्रभारी राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने योगी सरकार की ध्वस्त कानून व्यवस्था पर एक बार फिर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि योगी राज में न कानून है न ही संविधान। आए दिन पुलिस की पिटाई से मौत हो रही है। चोरी के आरोप में दो दिन पहले युवक को उठाया था, हालत बिगड़ने पर बहन के सुपुर्द किया और उसकी मौत हो गई।

आप नेता संजय सिंह ने कहा कि योगी सरकार की पुलिस कासगंज में अल्ताफ, प्रभात मिश्रा, इंद्रकांत त्रिपाठी, मनीष गुप्ता और अरुण की जान ले चुकी है। योगी की ठोंको नीति उत्तर प्रदेश में कानून की धज्जियां उड़ा रही है। उन्होंने मांग की है कि कानपुर घटना की उच्च स्तरीय जांच कराई जानी चाहिए, जिससे दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा मिल सके। उन्होंने कहा कि सबका साथ सबका विकास की बात करने वाली योगी सरकार दरअसल सबका विनाश करने में जुटी है। सांसद संजय सिंह ने कहा कि मैं हैरान हूं कि जिस अजय मिश्रा मंत्री की गाड़ी से पांच किसानों को कुचल कर मार दिया गया। आज तक उससे कोई पूछताछ नहीं हुई। मंत्री की गाड़ी का बीमा भी नवीनीकृत नहीं था। अजय मिश्रा को तत्काल पद से बर्खास्त किया जाना चाहिए। आप सांसद ने कहा कि पत्रकारों व नेताओं की जासूसी हो रही है, यह किसके इसारे पर हो रही है। हाईकोर्ट के जज से इसकी जांच कराना चाहिए। कौन किसके खिलाफ क्या साजिश कर रहा है पता होना ही चाहिए। एसटीएफ संगठित अपराध रोकने के लिये है या पत्रकारों की जासूसी के लिये? आखिर एसटीएफ के अधिकारी नियमों के विपरीत तीन साल से ज्यादा कैसे एक स्थान पर रुके हुए हैं। इनका ट्रांसफर क्यों नहीं हो रहा?

संगठित अपराध रोकने के लिए है या पत्रकारों की जासूसी के लिए

यूपी में एक बार फिर पत्रकारों एवं नेताओं की जासूसी कराने का आरोप योगी सरकार पर लगा है। खास बात यह है कि इस बार जासूसी में एसटीएफ को लगाने की बात सामने आई है। पत्रकार हेमंत तिवारी के इन आरोपों को अत्यंत गंभीर बताते हुए आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रभारी राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने सवाल उठाया कि एसटीएफ संगठित अपराध रोकने के लिये है या पत्रकारों की जासूसी के लिये? सांसद संजय सिंह ने पत्रकार संजय शर्मा के ट्वीट को रीट्वीट करते हुए व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं। संजय शर्मा ने अपने ट्वीट में लिखा था कि पत्रकारों के नेता हेमंत तिवारी ने खुलासा किया है कि एसटीएफ अपने नये उपकरणों से यूपी के मंत्रियों ,विधायकों और पत्रकारों की रिकार्डिंग करा रही है।

झूठ बोलने में माहिर है भाजपाई : राजभर

» गरीबों को डराने के लिए फाइटर प्लेन से आए थे पीएम मोदी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने सुल्तानपुर में पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के उद्घाटन के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फाइटर प्लेन से उतरने पर तंज कसा है। वाराणसी में राजभर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गरीबों को डराने के लिए ही फाइटर से उतरे हैं। इसके माध्यम से भाजपा ने यह संदेश दिया है कि गरीब केवल हिंदू मुस्लिम की बात करें, मुसलमानों को इस देश से निकालना है।

केवल हम लोग और हमारी पार्टी (भाजपा) देश के मुसलमानों के बेटों से शादी कर रोटी-बेटी का संबंध बनाकर दोस्ती करेंगे। राजभर ने चुटकी लेते हुए कहा कि पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की बातों पर राजभर ने कहा कि यह जानना चाहिए नींव किसकी है। राजभर ने कहा कि एआईएमआईएम अगर 10 सीट पर लड़ते हैं तो सभी जीत सकेंगे। यदि अखिलेश यादव उन्हें ही पूरी सीट देंगे तो बाकी का क्या करेंगे यह समझ से परे हैं। उन्होंने केंद्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्रा टेनी के बारे में कहा कि भाजपा के लोगों को झूठ बोलने की ट्रेनिंग दी जाती है।

कुशवाहा और राजभर की राहें हुईं जुदा

जन अधिकार पार्टी के अध्यक्ष और पूर्व मंत्री बाबू सिंह कुशवाहा ने सुभासपा अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर से सियासी तौर पर दूरी बना ली है। बताया जा रहा है कि कुशवाहा राजभर से नाराज हैं। राजभर ने समाजवादी पार्टी से गठबंधन को लेकर मोर्चा के अन्य घटक दलों से चर्चा नहीं की, यही उनकी नाराजगी की वजह समझी जा रही है। जन अधिकार पार्टी के युवा प्रकोष्ठ के प्रदेश महासचिव अशोक मौर्य ने यह जानकारी दी है। मौर्य ने यह भी कहा कि बाबू सिंह कुशवाहा की पार्टी ओपी राजभर से अलग होकर चुनाव लड़ेगी।

यूपी से बाहर भी बढ़ रहा योगी आदित्यनाथ का कद

» भाजपा के लिए 2002 जैसा टर्निंग पॉइंट होगा यूपी चुनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनावों को लेकर सत्ताधारी भाजपा पूरी तैयारी में जुटी है। एक तरफ यह चुनाव 2024 में भाजपा की केंद्र वापसी के लिहाज से अहम माना जा रहा है तो वहीं सीएम योगी के राजनीतिक भविष्य के लिए भी यह बेहद अहम है। यह चुनाव भाजपा में वैकल्पिक नेतृत्व तैयार करने के लिए भी बेहद अहम है। एक तरफ यूपी चुनाव देश में राजनीति की आने वाली दिशा तय करेगा तो वहीं भाजपा के भीतर भी उठ रहे कई सवालों के जवाब उत्तर प्रदेश के नतीजों से मिल सकते हैं।

दरअसल, 2022 में एक तरह से भाजपा के भीतर 2002 की स्थिति दोहराने

वाली है। बात यह है कि 2002 में गुजरात विधानसभा के चुनावों ने मोदी के कद को बढ़ा दिया था और उनकी राष्ट्रीय राजनीति में एक तरह से एंट्री की शुरुआत हो चुकी थी। अब ठीक 20 साल बाद फिर से ऐसी ही स्थिति पैदा हुई है, जब योगी जीते तो वह यूपी के बाहर भी एक राष्ट्रीय नेता के तौर पर उभरते दिख सकते हैं। साथ ही भाजपा में मोदी के बाद कौन के सवाल का जवाब भी आंशिक तौर पर मिल सकता है। हाल ही में दिल्ली में हुई भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक में यूपी के सीएम योगी ने राजनीतिक प्रस्ताव पेश किया था। यह पहला मौका था, जब राष्ट्रीय स्तर पर सीएम योगी को इस तरह से सम्मान मिला था। अब यदि वह जीत हासिल करते हैं तो फिर उनका कद जनता के बीच भी बढ़ता दिखेगा। भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच यूपी में अकसर मोदी-योगी-जय श्री राम का नारा लगता दिखता है। साफ है कि मोदी के बाद यूपी में भाजपा के कार्यकर्ता योगी को ही देखते हैं, लेकिन इस चुनाव के नतीजे बता देंगे कि यह नारा कितना सही और गलत साबित होता है।

यूपी चुनाव में प्रियंका गांधी बन जाएंगी इतिहास : भाटिया

» इस बार भारतीय राजनीति में गिरेंगे तीन विकेट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश में अगले साल की शुरुआत उत्तर प्रदेश, पंजाब सहित पांच राज्यों में विधानसभा का चुनाव होना है। इन पांच राज्यों में ज्यादातर में कांग्रेस और भाजपा आमने-सामने है। गोवा, मणिपुर और उत्तराखंड में कांग्रेस-भाजपा के बीच मुख्य लड़ाई है। हालांकि जहां उत्तर प्रदेश में कांग्रेस करीब 30 साल से सत्ता से बाहर है, वहीं पंजाब में बीजेपी कभी अकेले सत्ता में नहीं आई है।

पंजाब में अभी कांग्रेस सरकार है, इससे पहले भाजपा यहां गठबंधन में सरकार में शामिल थी। अगले साल फरवरी-मार्च में ही इन पांचों राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। इन सबके बीच देश की नजरें उत्तर प्रदेश के चुनाव पर टिकी है। क्योंकि यहां कांग्रेस खुद को पुनर्जीवित करने में जुटी है। विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा के प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कू पर कांग्रेस और गांधी परिवार पर निशाना साधा है। भाटिया ने लिखा कि कांग्रेस के लिए जनता की हैट्रिक...इस बार भारतीय राजनीति में कांग्रेस के गिरेंगे तीन विकेट... सोनिया गांधी की संन्यास, 2. राहुल गांधी का वनवास, 3. प्रियंका गांधी बन जाएंगी इतिहास।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

संघ को आठ हजार शाखाओं की और जरूरत : भागवत

» तीन दिन के बंगाल प्रवास पर संघ प्रमुख

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत तीन दिन के बंगाल प्रवास पर पहुंच रहे हैं। संघ प्रमुख मोहन भागवत साल 2024 तक बंगाल के कोने-कोने तक संघ की शाखाओं का विस्तार करना चाहते हैं। संघ के साथ ही बंगाल में अपनी सियासी जमीन मजबूत करने में जुटी भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के लिहाज से भी मोहन भागवत की इस यात्रा को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की बड़ी जीत के बाद मोहन भागवत की ये पहली बंगाल यात्रा है।

मोहन भागवत की इस बंगाल यात्रा का लक्ष्य 2024 है। मोहन भागवत के इस तीन दिन के बंगाल प्रवास का मकसद है साल 2024 तक पश्चिम बंगाल में हर जगह संघ की शाखा स्थापित करना। आंकड़ों के मुताबिक बंगाल में इस समय करीब 2200 शाखाएं हैं। पश्चिम बंगाल के हर इलाके तक संघ की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए करीब 8000 शाखाओं की जरूरत है। संघ प्रमुख मोहन भागवत मैराथन बैठकों के बाद शाम करीब 4 बजे बंगाल के 350 प्रबुद्ध नागरिकों के साथ संवाद करेंगे। संघ प्रमुख का प्रबुद्ध नागरिकों के साथ ये संवाद वीसी के जरिए होगा। इसके लिए संघ के स्वयंसेवकों ने सूची तैयार कर ली है।

बैठकों का दौर शुरू

संघ प्रमुख मोहन भागवत की बैठकों का सिलसिला आज से शुरू हो गया है। कोलकाता में संघ के मुख्यालय केशव भवन में मोहन भागवत एक के बाद एक बैठकें करेंगे। इन बैठकों में बंगाल में संघ के सभी पदाधिकारी शामिल होंगे। इन पदाधिकारियों के साथ संघ प्रमुख की दो बैठकें होनी हैं। इन बैठकों में तीन विषयों पर चर्चा होनी है। इनमें पहली बैठक साल 2024 तक बंगाल के हर क्षेत्र में किस तरह संघ का विस्तार किया जाए, इसे लेकर चर्चा होगी।

यूपी चुनाव में पायलट को सिंधिया वाला रोल मिलना तय!

सचिन पायलट को सम्मान दिलाने में जुटीं प्रियंका

» गुर्जर वोटों को अपने पाले में लाने के लिए कांग्रेस का बड़ा दांव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में विधान सभा चुनाव नजदीक है। ऐसे में सभी राजनीतिक दल सत्ता पाने की आस में लगातार जीतोड़ मेहनत कर रहे हैं। भाजपा, सपा, बसपा और कांग्रेस को लेकर अगर न्यूज चैनलों व एजेसिंयों के सर्वे की बात मान ले तो प्रदेश में कांग्रेस को अभी बहुत ज्यादा मेहनत करने की जरूरत है। ऐसे में कांग्रेस की यूपी प्रभारी प्रियंका गांधी लगातार लोगों से फीडबैक ले रही है। साथ ही पार्टी संगठन को मजबूत करने में भी जुटी हुई है।

काफी हद तक संगठन को प्रियंका का लाभ भी मिला है। पश्चिमी यूपी में कांग्रेस की अच्छी पैठ के चलते प्रियंका गांधी ने बड़ा दांव खेला है। प्रियंका राजस्थान से सचिन पायलट को लाकर यूपी के चुनाव में अहम जिम्मेदारी देने के मूड में हैं। इसके पीछे तर्क यह दिया जा रहा है कि राजस्थान में सीएम अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच लंबे समय से चल रही सियासी टशन को कांग्रेस हाईकमान जल्द से जल्द खत्म कराना चाहता है। पायलट की नाराजगी को दूर कर प्रियंका गांधी यूपी के चुनावी मैदान में उन्हें उतारकर

कैश कराने का प्लान बनाया है। दरअसल, राजस्थान के मामले को लेकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राहुल गांधी के आवास पर एक महीने के अंदर दूसरी बार कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल और राजस्थान के प्रभारी अजय माकन के साथ पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी के साथ मिले हैं। माना जा रहा है कि प्रियंका गांधी चाह रही है कि सचिन पायलट को जल्द से जल्द उचित सम्मान देकर कांग्रेस में संगठन में उन्हें सक्रिय किया जाए। प्रियंका गांधी कांग्रेस की महासचिव के साथ-साथ उत्तर प्रदेश की प्रभारी हैं, मगर राजस्थान की राजनीति में उनकी सक्रियता को देखते हुए साफ है कि वे यूपी से बाहर भी कांग्रेस की राजनीति में दखल देना शुरू कर दिया है। हालांकि प्रियंका गांधी भले ही सचिन पायलट की पैरवी कर रही हो, लेकिन उनके निशाने पर उत्तर प्रदेश का 2022 विधानसभा चुनाव है और वे यहां सचिन को जिम्मेदारी देने के मूड में हैं।

यूपी में प्रियंका गांधी की साख दांव पर

यूपी में अपनी हालत सुधारने के लिए कांग्रेस जी-तोड़ मेहनत करती हुई नजर आ रही है, लेकिन बीजेपी और सपा के बीच सीधी होती लड़ाई के चलते हालत जस के तस बने हुए हैं। ऐसे में कांग्रेस कशमकश में फंसी हुई है कि कैसे पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी की छवि और लोकप्रियता को बचाए रखा जाए। 2022 के चुनाव में कांग्रेस बेहतर नहीं कर पाई तो उसका सीधा असर प्रियंका गांधी पर पड़ेगा। ऐसे में कांग्रेस पश्चिम यूपी के इलाके में सचिन पायलट को सक्रिय कर रही है, जहां एक समय इसका जिम्मा ज्योतिरादित्य सिंधिया के कंधों पर था। हालांकि, सिंधिया अब कांग्रेस का साथ छोड़ बीजेपी का दामन थाम चुके हैं।

पश्चिमी यूपी में गुर्जर वोटर अहम

पश्चिमी उत्तर प्रदेश में गुर्जर मतदाताओं की बड़ी संख्या हैं, जो कई विधान सभा सीटों पर निर्णायक भूमिका निभाते हैं। मौजूदा समय में कांग्रेस के पास यूपी में कोई बड़ा और प्रभारी गुर्जर चेहरा नहीं है, जिसके चलते प्रियंका गांधी ने सचिन पायलट को जल्द से जल्द पश्चिमी उत्तर प्रदेश में सक्रिय करना चाहती है। इसके मद्देनजर वह लगातार सचिन पायलट को लेकर राजस्थान की बैठकों में शामिल हो रही हैं।

पायलट ने एक महीने में चार दौरे किए

सचिन पायलट ने पिछले एक महीने में उत्तर प्रदेश के चार दौरे कर चुके है। लखनऊ और कानपुर में पीसी के अलावा संभल के कल्कि पीठ में संतों को संबोधित किया तो अपने पैतृक गांव नोएडा के वेदपुरा पहुंचकर गोवर्धन पूजा कार्यक्रम में शामिल हुए। इतना ही नहीं, प्रियंका गांधी जब लखीमपुर खीरी कांड के समय हिरासत में लिया गया था तब सचिन पायलट को सड़क मार्ग से पश्चिमी उत्तर प्रदेश के रास्ते लखीमपुर खीरी पहुंचने के लिए कहा गया था। सचिन पायलट को पुलिस ने जब लखीमपुर खीरी जाने से रोका गया तो उन्होंने बड़ी संख्या में अपने समर्थकों के साथ गिरफ्तारी दी थी। इस तरह से पायलट लगातार यूपी में सक्रिय हैं।

अब लोक जनशक्ति पार्टी भी उत्तर प्रदेश में लड़ेगी विधान सभा चुनाव

चिराग पासवान ने किया ऐलान पर नहीं खोले सियासी पत्ते

» तैयारी के लिए स्थानीय पार्टी संगठन को मजबूत करने में जुटे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अब उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव में लोक जनशक्ति पार्टी भी ताल ठोकेगी। लोक जनशक्ति पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और सांसद चिराग पासवान ने इसका ऐलान किया है। हालांकि उन्होंने अपनी सियासी रणनीति के पत्ते अभी नहीं खोले हैं।

चिराग पासवान ने कहा कि पार्टी पहले भी प्रदेश में विधान सभा चुनाव न सिर्फ लड़ चुकी है बल्कि विधान सभा में अपनी उपस्थिति भी दर्ज करा चुकी है। अब उत्तर प्रदेश में चुनाव लड़ने का निर्णय पार्टी की राज्य इकाई ने लिया है। हम अपने प्रत्याशी उतारेंगे। हम अकेले चुनाव लड़ेंगे या किसी क्षेत्रीय दल के साथ मिलकर इसका फैसला राज्य इकाई के अनुमोदन के जरिए केंद्रीय संगठन करेगा। हालांकि तय है कि इस बार चुनाव में पार्टी का प्रदर्शन हर बार से बेहतर होगा। प्रदेश को किस तरह विकास की राह पर और मजबूती से ले जाएं, युवाओं को रोजगार दें, इसके लिए विजन डाक्यूमेंट पर काम कर रहे हैं। प्रदेश के युवा शिक्षा व रोजगार के लिए दूसरे राज्य

में जाते हैं तो कई बार उन्हें अपमान का सामना करना पड़ता है। ऐसे में देश के बेहद महत्वपूर्ण प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने की जरूरत है। उन्होंने प्रदेश में सत्तारूढ़ रहीं पार्टियों पर निशाना साधते हुए कहा कि अपनी-अपनी गलतियों पर पर्दा डालने के लिए किसी पार्टी को राम तो किसी को जिन्ना सूट करते हैं।

जनता बताएगी प्रदेश में कैसा हुआ काम

केंद्र या राज्य सरकार के वर्तमान कामकाज पर चिराग ने इसे बेहतर बताया। हालांकि उन्होंने कहा कि इसमें और बेहतर होने की गुंजाइश थी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जिस तरह का जनादेश मिला है, उसमें कई काम हुए हैं। लेकिन युवाओं को अपने ही प्रदेश, जिले या गांव में रोजगार कैसे मिले, इस पर काम बाकी है। जनता इस पर फैसला लेगी कि कामकाज कैसा हुआ।

गठबंधन अभी तय नहीं

किस पार्टी के साथ गठबंधन कर चुनाव लड़ेंगे, इस सवाल पर चिराग पासवान ने कहा कि सभी पार्टी की विचारधारा कुछ न कुछ अलग होती है। लोक जनशक्ति पार्टी के अपने मुद्दे हैं, चाहे दलितों को लेकर हों, अल्पसंख्यक या फिर समाज के गरीब वर्ग के लिए। पार्टी के नेता दिवंगत राम विलास पासवान ने समाज के पिछड़े वर्ग को मुख्यधारा में लाने के लिए पांच दशक तक संघर्ष किया। प्रदेश में अभी तय नहीं है कि चुनाव अकेले लड़ेंगे या किसी के साथ गठबंधन होगा।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

महिला अपराध और पुलिस तंत्र

उत्तर प्रदेश में एक ही दिन में मेरठ में युवती की दुष्कर्म के बाद हत्या, मुरादाबाद में घर में घुसकर महिला का मर्डर और लखनऊ में मासूम से दुष्कर्म की तीन वारदातें होती है। ये घटनाएं यह बताने के लिए काफी हैं कि प्रदेश में कानून व्यवस्था का क्या हाल है। तमाम दावों के बावजूद महिलाओं के खिलाफ अपराध थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। सवाल यह है कि कड़े कानूनों और अपराधों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति के बावजूद बदमाशों के हौसले बुलंद क्यों हैं? ताबड़तोड़ एनकाउंटर के बाद भी क्राइम का ग्राफ कम क्यों नहीं हो रहा है? कानून व्यवस्था को सुधारने में पुलिस और सरकार नाकाम क्यों हो रही है? क्या भ्रष्टाचार ने पूरे तंत्र को खोखला कर दिया है? प्रदेश में महिला सुरक्षा पर गंभीरता से काम क्यों नहीं हो रहा है? क्या पुलिस और अपराधियों की मिलीभगत से हालात बदतर होते जा रहे हैं? क्या बिना कानून व्यवस्था को दुरुस्त किए प्रदेश को विकास की राह पर ले जाया जा सकता है?

उत्तर प्रदेश में महिला अपराध थम नहीं रहे हैं। इसकी पुष्टि नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो की रिपोर्ट भी कर रही है। 2020 में यहां 2759 रेप केस दर्ज किए गए जबकि 12913 अपहरण के मामले दर्ज हुए। महिलाओं और बच्चियों की हत्या का ग्राफ भी बढ़ा है। खुद बड़े पुलिस अधिकारी भी मानने लगे हैं कि उत्तर प्रदेश में महिला अपराधों की स्थिति चिंताजनक है। यह स्थिति तब है जब प्रदेश सरकार ने अपराधों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति का ऐलान कर रखा है। वहीं बदमाशों के एनकाउंटर भी किए जा रहे हैं। सच यह है कि महिला अपराधों के लिए सबसे अधिक जिम्मेदार पुलिस-प्रशासन की लापरवाही है। कई बार पुलिसकर्मी महिलाओं की शिकायत दर्ज नहीं करते हैं और थाने से उनको बैरंग लौटा देते हैं। इसके कारण अपराधियों के हौसले बुलंद हो जाते हैं और इसके परिणामस्वरूप महिलाओं के खिलाफ गंभीर अपराध की संख्या बढ़ जाती है। यही नहीं कई बार पुलिस पीड़िता पर आरोपी से समझौते का दबाव बनाती है। लिहाजा स्थितियां बिगड़ जाती हैं। कई ऐसे भी मामले सामने आ चुके हैं जब पुलिस अपराधियों के साथ मिलकर अपराधों को अंजाम देती है। पुलिस महकमे में फैले भ्रष्टाचार का फायदा अपराधी खूब उठाते हैं। वे अपराध कर आराम से फरार हो जाते हैं और पुलिस को उनको खोजने में पसीने छूट जाते हैं। यदि सरकार महिला अपराधों को नियंत्रित करना चाहती है तो उसे न केवल पुलिस महकमे से भ्रष्टाचार को खत्म करना होगा बल्कि बदमाशों से मिलीभगत करने वाले पुलिसकर्मियों को चिन्हित कर कठोर कार्रवाई करनी होगी। साथ ही अपराधियों को त्वरित सजा देने की व्यवस्था भी करनी होगी।

सवाल यह है कि कड़े कानूनों और अपराधों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति के बावजूद बदमाशों के हौसले बुलंद क्यों हैं? ताबड़तोड़ एनकाउंटर के बाद भी क्राइम का ग्राफ कम क्यों नहीं हो रहा है? कानून व्यवस्था को सुधारने में पुलिस और सरकार नाकाम क्यों हो रही है? क्या भ्रष्टाचार ने पूरे तंत्र को खोखला कर दिया है? प्रदेश में महिला सुरक्षा पर गंभीरता से काम क्यों नहीं हो रहा है?

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

कंगना के दावे पर तालियां बजाने वाले हैं बड़े अपराधी

श्रवण गर्ग

किसी भी दल या धर्म विशेष के प्रति प्रतिबद्ध किंतु परम्परागत रूप से सहिष्णु नागरिकों को अगर सुनियोजित तरीके से समझा दिया जाए कि राष्ट्र की एकता और अखंडता की रक्षा के लिए धार्मिक 'असहिष्णुता' का 'औचित्यपूर्ण' इस्तेमाल आवश्यक है तो बिना किसी सैन्य हस्तक्षेप अथवा हिंसा की जरूरत के नितांत अहिंसक जरिए से ही एक जागृत प्रजातंत्र को संवेदनशून्य अधिनायकवादी व्यवस्था में बदला जा सकता है। अन्याय कारणों से लगातार विवादों/सुर्खियों में बनी रहने वाली सिने तारिका कंगना रनौत जब बिना किसी तर्क के यह कहती हैं कि देश को असली आज़ादी 1947 में (गांधी के नेतृत्व में) नहीं बल्कि 2014 में (नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में) मिली है और जब जाने-माने विधिवेत्ता और वरिष्ठ कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद तार्किक आधार पर चिंता ज़ताते हैं कि 'राजनीतिक' हिंदुत्व हमारे संतों और ऋषि-मुनियों द्वारा प्रतिपादित हिंदुत्व से भिन्न है तो हम वर्तमान में अपने आसपास घट रहे घटनाक्रम को आसानी से समझ सकते हैं।

हमें कंगना के कहे के पीछे छिपे मजबूत राजनीतिक-धार्मिक समर्थन को इस तरीक़े से समझना चाहिए कि एक सफल सिने तारिका के तौर पर वे केवल एक लिखी और समझाई गई स्क्रिप्ट को ही व्यावसायिक अथवा क्रूर तरीके से पेश कर सकतीं हैं। आजादी की लड़ाई को लेकर कंगना जो कुछ भी कह रहीं हैं उसमें और संघ तथा भाजपा के अनुभवी वक्ता अपनी सधी हुई ज़ुबान और विनम्र अन्दाज में जो व्यक्त करते हैं उसमें ज़्यादा फर्क नहीं है। कंगना को अपने मन की बात कहने का हुनर जब पूरी तरह से हासिल हो जाएगा तब उनके किसी भी कहे पर उतनी उग्र प्रतिक्रिया नहीं होगी जैसी कि अभी हो रही है। राजनीति में फर्क इस बात से भी पड़ता है कि कौन सी बात कौन कह रहा है। मसलन हिंदुत्व को लेकर सलमान खुर्शीद द्वारा अपनी नई किताब 'सनराइज ओवर अयोध्या' में लिखी बात अगर शंकराचार्यों की श्रेणी का कोई प्रतिष्ठित हिंदू विद्वान कह देता तो इतना बवाल नहीं मचता। सलमान के लिखे के प्रति हो रहे विरोध में यह समाहित है कि एक मुस्लिम को हिंदुत्व की व्याख्या करने का अधिकार किसने दे दिया ? यही कारण है कि जब राहुल गांधी 'हिंदुत्व' और 'हिन्दुवाद' के बीच का फर्क समझाते हैं तो कोई हल्ला नहीं मचता। ऐसा इसलिए कि कांग्रेस के नायक ने खुद को बतौर एक जनेऊधारी हिंदू के भी सार्वजनिक जीवन में स्थापित करवा लिया है। कोई मुस्लिम तो कंगना की ज़ुबान में यकीनन कह ही नहीं सकता कि देश को आजादी 1947 में नहीं बल्कि 2014 में प्राप्त हुई है। वह हकीकत में क्या कहना चाहेगा उसका भी केवल अनुमान ही लगाया जा सकता है।

कंगना ने जो कुछ भी कहा उसके प्रति शोक व्यक्त करने के बजाय ज़्यादा खौफ इस

बात का होना चाहिए कि सम्भ्रांत नागरिकों की जो जमात 'टाइम्स नाउ' के शिखर सम्मेलन के दौरान एंकर के साथ उनकी बातचीत को सुनने के लिए हॉल में उपस्थित थी वह क्या प्रतिक्रिया व्यक्त कर रही थी। यह जानना इसलिए जरूरी है कि 'अकेली' कंगना नहीं हैं बल्कि 'अकेले' वे तमाम लोग हैं जो इस समय सोशल मीडिया पर सिने तारिका का विरोध करने में जुटे हुए हैं। चैनल की एंकर नाविका कुमार ने जब सावरकर को लेकर सवाल किया तो कंगना ने उलट कर पूछ लिया सेक्युलर क्या होता है? सेक्युलर का मतलब यही होता है कि यह जमीन (देश) किसी की नहीं है। न आपकी, न मेरी, हरेक आदमी की। यह जमीन किसी की भी नहीं है। ठीक ? कांग्रेस के नाम पर अंग्रेज जो छोड़ गए हैं ,ये वह है। ये (कांग्रेस) अंग्रेजों के ही पुछल्ले (एक्सटेंशन) हैं।'

कंगना ने जैसे ही यह कहा हॉल में पीछे की तरफ बैठा नागरिक समाज तालियां बजाने लगा। अंग्रेजी अखबार 'द टेलिग्राफ' के मुताबिक , कंगना ने आगे जब यह कहा कि 1947 में जो मिला वो आज़ादी नहीं थी भीख थी और जो आज़ादी प्राप्त हुई है वह 2014 में मिली है तो हॉल में तालियां और भी जोरों से गूंज उठीं। अग्रिम पंक्तियों में बैठे लोग भी तालियां बजाने वालों में शामिल हो गए। पूरे हॉल में एक भी व्यक्ति ऐसा नहीं था जो खड़ा होकर विरोध करने की हिम्मत दिखा सके। कंगना के कहे को 'राजनीतिक' हिंदुत्व के इस आशय की तरह स्वीकार किया जा सकता है कि जो 'आज़ादी' 2014 में प्राप्त हुई है उसकी हिफाजत उस तरह से नहीं की जा सकती जिस तरह से 1947 में आज़ादी ('भीख' में) प्राप्त हुई थी। कंगना वही कह रहीं हैं जो कि कट्टर राष्ट्रवाद और हिंदुत्व के समर्थक गांधी की अहिंसा के औचित्य को खारिज करते हुए सावरकर के अनन्य भक्त गोडसे के कृत्य का विरोध नहीं करते। सवाल यह है कि 'हिंदुत्व' के इस नए 'राजनीतिक' अवतार के बारे में क्या कभी संघ या भाजपा का कोई नेता सलमान खुर्शीद की तरह से किताब लिखना चाहेगा ? शायद नहीं। ऐसा इसलिए कि सलमान खुर्शीद ने स्वयं के इस्लाम धर्म के संदर्भ में आयसिस और बोको हरम के इस्लाम को जिहादी इस्लाम बताने का साहस दिखाया है। सलमान उसी ओर इशारा कर रहे हैं जिस ओर कंगना संघ और भाजपा के हिंदुत्व के नेतृत्व में देश को 2014 में मिली आजादी की ओर इशारा कर रहीं हैं।

भारतीय राजनीति में यह एक सर्वथा अभिनव प्रयोग है कि आजादी प्राप्ति की नई अवधारणा की स्थापना में किसी परिपक्व महिला नेत्री अथवा साधु-साध्वियों के स्थान पर एक फैशनेबल सिने तारिका कहीं ज़्यादा प्रभावशाली साबित होती दिख रही है। कंगना ने अपने बड़बोलेपन से न सिर्फ अपनी ही उस आजादी का अपमान किया है जिसका कि अमृत महोत्सव उनके ही नायक नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मनाया जा रहा है बल्कि दक्षिण अफ्रीका सहित दुनिया के उन तमाम राष्ट्रों का भी अपमान किया है जिन्होंने गांधी की बताई अहिंसा के जरिए अपने नागरिकों के लिए स्वतंत्रता प्राप्त की है। जनता की नजरों में कंगना से बड़े 'अपराधी' तो वे हैं जो पीछे बैठकर तालियां बजा रहे थे। कंगना अब एक व्यक्ति से ऊपर उठकर एक 'प्रयोग' बन गई हैं। वे चाहें तो 'मेरे असत्य के प्रयोग' शीर्षक से अपनी आत्मकथा भी लिख सकतीं हैं। कोई शक नहीं कि ऐसे प्रयोगों में महारत हासिल कर चुका संघ परिवार कंगना की आत्मकथा का बेसब्री से इंतजार करेगा और भरपूर स्वागत भी।

पर्यावरण की चुनौती और भारत

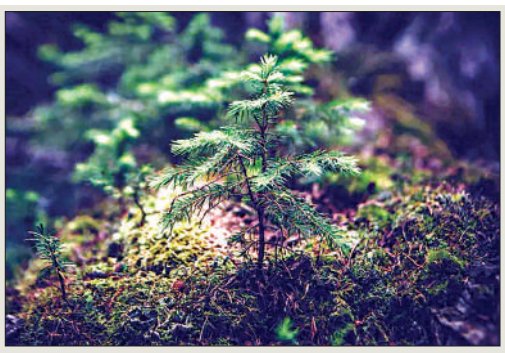

हर्षवर्धन त्रिपाठी

कमाल की बात यह है कि पर्यावरण संतुलन बिगड़ा है पूरे विश्व का, प्रदूषण फैला है पूरे विश्व में, लेकिन विकसित विश्व के कुछ ही देश हुए हैं। अब वही विकसित देश पूरे विश्व पर दबाव बना रहे हैं कि आप लोग विकासशील ही बने रहें, विकसित मत हों क्योंकि इससे विश्व में प्रदूषण फैलता है। ऐसे में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुनिया को रास्ता दिखाने की कोशिश की है। उन्होंने ग्लासगो जलवायु सम्मेलन में पंचामृत के जरिये भारतीय भावनाओं को विश्व के सामने रखते हुए कहा कि भारत विश्व को पंचामृत की सौगात दे रहा है। पंचामृत में प्रथम है कि भारत 2030 तक 500 गीगावॉट ऊर्जा गैर जीवाश्म स्त्रोतों से पूरा करेगा। भारत की दूसरी सौगात यह होगी कि 2030 तक भारत की कुल ऊर्जा जरूरतों का आधा गैर जीवाश्म स्त्रोतों से ही पूरा किया जायेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने तीसरे पंचामृत के बारे में कहा कि भारत अभी से 2030 तक 100 करोड़ टन कार्बन उत्सर्जन करेगा तथा 2030 तक ही भारत अपनी कार्बन तीव्रता को 45 प्रतिशत तक कम करेगा। पंचामृत का अंतिम अमृत तत्व यह है कि भारत 2070 तक पूरी तरह कार्बन उत्सर्जन से मुक्त देश होगा।

कार्बन उत्सर्जन मुक्त होने का प्रधानमंत्री मोदी का लक्ष्य कितना बड़ा है, इसका अनुमान कुछ आंकड़ों से लगाया जा सकता है। अमेरिका के एक व्यक्ति का कार्बन उत्सर्जन चीन के दो व्यक्तियों के कार्बन उत्सर्जन के बराबर है। ब्राजील के सात व्यक्तियों का कुल कार्बन उत्सर्जन एक अमेरिकी के बराबर होता है और नौ भारतीय कुल उतना कार्बन उत्सर्जन नहीं करते, जितना एक अमेरिकी करता है। इसी कारण प्रधानमंत्री मोदी ने यह कहा कि क्लाइमेट फाइनेंस से जुड़े अब तक के सभी वादे खोखले साबित हुए हैं।

उन्होंने कहा कि उनकी बातें सिर्फ शब्द नहीं हैं, बल्कि भावी पीढ़ी के उज्ज्वल भविष्य का जयघोष हैं। उन्होंने पर्यावरण संतुलन के लिए वित्तीय सहयोग पर विकसित देशों से आगे आने के लिए भी कहा। ग्लोबल वार्मिंग व कार्बन उत्सर्जन जैसे शब्दों का प्रयोग कर विकसित देश विकासशील देशों पर जो दबाव बनाते हैं, दरअसल उसके मूल में विकसित देशों द्वारा संसाधनों का अनाप-शनाप दोहन ही है। असल में, विश्व पर्यावरण संतुलन के लिए आवश्यक है कि कार्बन डाईऑक्साइड के साथ मीथेन और नाइट्रस ऑक्साइड जैसी हानिकारक गैसों का कम से कम उत्सर्जन हो। भारत ने खतरों को देखते हुए देश के विकास के साथ पर्यावरण व प्रकृति के साथ संतुलन की भी पक्की योजना बना ली है। ग्लासगो में प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि 2030 तक भारतीय रेल को पूरी तरह से कार्बन उत्सर्जन मुक्त बनाने का लक्ष्य तय किया गया है। कार्बन उत्सर्जन मुक्त का सीधा मतलब है कि जितना कार्बन बनेगा, उससे अधिक कार्बन समाप्त करेंगे। संपूर्ण विश्व की आबादी से अधिक लोग भारतीय रेलवे से प्रतिवर्ष यात्रा करते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विश्व को भी पर्यावरण के लिए जीवनशैली का मंत्र दिया।

क्योटो प्रोटोकॉल से लेकर पेरिस समझौते तक विकसित देशों ने सिर्फ विकासशील देशों पर सारी जिम्मेदारी थोपने की कोशिश की है। यहां तक कि जलवायु परिवर्तन के लिए आधार वर्ष मानने में भी यूरोपीय संघ ने 1992 की जगह 1990 को स्वीकारा, जबकि सोवियत संघ के विघटन के बाद वहां औद्योगिक गतिविधियां कम हुईं और दुनिया में कार्बन उत्सर्जन 1990 के मुकाबले 1992 में कम हो गया था। साल 1992 को आधार वर्ष नहीं मानने से कार्बन उत्सर्जन घटाने के लक्ष्य को पाने में शुरुआती गड़बड़ हुई। विकसित देश अभी भी स्वीकार नहीं कर रहे हैं कि विकासशील देशों में संसाधनों के विकास की अधिक आवश्यकता है, जिससे उन देशों के लोगों का जीवन स्तर बेहतर हो सके। विकसित देशों में जीवन स्तर बेहतर रखते हुए अक्षय ऊर्जा स्रोतों के उपयोग की ओर बढ़ा जा सकता है। एक और महत्वपूर्ण बात समझने की है कि मीडिया ने भी पश्चिमी दृष्टिकोण से ही बात बढ़ाते हुए सारा दबाव विकासशील देशों पर ही बनाने का प्रयास किया। ग्लासगो में प्रधानमंत्री मोदी ने जिस तरह से जिम्मेदारियों के अहसास के साथ भारत की पर्यावरण संतुलन के मामले में प्रकृति के साथ तालमेल बिठाने का शानदार अनुभव विश्व के सामने प्रस्तुत किया है, उससे साफ है कि प्रकृति व पर्यावरण की चुनौती का समाधान खोजना है, तो उसका नेतृत्व भारत को ही सौंपना होगा। गैर जवाबदेह व कम ईमानदार नेतृत्व के साथ कभी भी बड़ा लक्ष्य नहीं पाया जा सकता है। पर्यावरण संतुलन की चुनौती अभी विश्व के सामने सबसे बड़ा और कठिन लक्ष्य है। ऐसे कठिन लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए उसी देश की अगुआई में चला जा सकता है, जिसने स्वयं ईमानदारी दिखायी हो। दुर्भाग्य से विकसित देश ऐसा करने में पिछड़ गये हैं। भारत ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में अक्षय ऊर्जा के मामले में कमाल किया है और ऐसे ऊर्जा उत्पादन के मामले में भारत विश्व में चौथे स्थान पर है। इंटरनेशनल सोलर अलायंस के अगुआ देश के तौर पर प्रधानमंत्री मोदी ने विश्व को वन सन, वन वर्ल्ड, वन ग्रिड का सिद्धांत दिया है। विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र बेहतर विश्व की उम्मीद बन गया है। अब प्रधानमंत्री मोदी भारतीय संस्कार और संस्कृति के साथ जोड़कर विकास पथ पर बढ़ने का लक्ष्य तय कर रहे हैं।

सर्दियों में इन जगहों पर करें ट्रैकिंग

घूमने का शौक लगभग हर इंसान को होता है लेकिन फर्क सिर्फ इतना है कि कोई हिल स्टेशन जाना चाहता है तो कोई बीच पर टहलना चाहता है। किसी को ऐसी एडवेंचर वाली जगह जाना पसंद होता है तो कई लोग जंगल सफारी करना पसंद करते हैं। कोरोना संक्रमण के कम होने के बाद अगर आप भी एडवेंचर का लुफ्त उठाना चाहते हैं और ट्रैकिंग करना चाहते हैं, तो भारत में मौजूद इन खास जगहों के बारे में सोच सकते हैं। सर्दियों की शुरुआत में ट्रैकिंग के लिए आप इन जगहों पर घूमने का प्लान बना सकते हैं। आइए जानते हैं कौन सी हैं वो जगहें।

हाम्टा पास

हाम्टा पास हिमाचल प्रदेश में स्थित है और ट्रैकिंग के लिए पर्यटकों के बीच काफी फेमस है। कुल्लू घाटी के हाम्टा पास से शुरू होकर स्पीति घाटी पर खत्म होने वाला ये ट्रैक ट्रेकर्स के लिए बहुत अच्छा ऑप्शन साबित हो सकता है।

गोइचा ला

गोइचा ला सिक्किम में स्थित है। हिमालय की चोटियों को देखने के लिए आप गोइचा ला जा सकते हैं। गोइचा ला में आपको सिक्किम की संस्कृति और परंपरा को करीब से देखने का मौका मिलेगा। यहां से आप कंचनजंगा पहाड़ियों पर होने वाले सूर्योदय को देख सकते हैं और मन में सुकून महसूस कर सकते हैं।

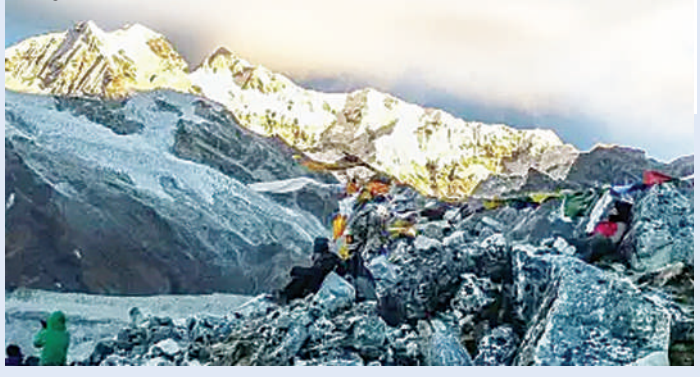

रूपकुंड

उत्तराखंड में मौजूद रूपकुंड झील पांच हजार मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। इस ट्रेक पर जाने के लिए आपको एक अच्छे गाइड की मदद लेनी होगी, क्योंकि ये ट्रेक हरे भरे मैदानों और संकरे जंगलों से गुजरता है। यह अपने आप में एक जादुई ट्रैकिंग का अनुभव कराएगा।

नाग टिब्बा

सर्दियों में उत्तराखंड की कई जगहों पर बर्फ पड़ती है। उन्हीं जगहों में नाग टिब्बा का भी नाम आता है। यहां आपको पेड़-पौधों के बदले सिर्फ दूर तक बर्फ से ढके पहाड़ नजर आएंगे। अगर आप ट्रैकिंग का प्लान बना रहे हैं, तो ये एडवेंचर ट्रिप के लिए सबसे बेहतरीन जगहों में से एक है।

चेंब्रा पीक

केरल में स्थित चेंब्रा पीक आपको अपनी खूबसूरती का दीवाना बना देगी। हरे भरे जंगल और चाय के बागान ट्रैकर्स को खूब आकर्षित करते हैं। इस ट्रैक पर हर साल कई पर्यटक पहुंचते हैं और ट्रैकिंग का मजा लेते हैं।

केदारकंठा

भारत की सबसे फेमस विंटर ट्रैकिंग लिस्ट में केदारकंठा का नाम आता है। उत्तराखंड में मौजूद केदारकंठा भारत के सबसे ऊंचे ज्योतिर्लिंगों में से एक है, जो समुद्र तल से 3583 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। सर्दियों में केदारनाथ बेहद खूबसूरत लगता है। इसकी खूबसूरती देखने के लिए ही लोग दूर-दूर से आते हैं। यहां आप ट्रैकिंग का मजा उठा सकते हैं।

कहानी — भगवान बचाएगा

एक समय की बात है किसी गांव में एक साधु रहता था। वह भगवान का बहुत बड़ा भक्त था और निरंतर एक पेड़ के नीचे बैठ कर तपस्या किया करता था। उसका भागवान पर अटूट विश्वास था और गांव वाले भी उसकी इज्जत करते थे। एक बार गांव में बहुत भीषण बाढ़ आ गई। चारो तरफ पानी ही पानी दिखाई देने लगा, सभी लोग अपनी जान बचाने के लिए ऊंचे स्थानों की तरफ बढ़ने लगे। जब लोगों ने देखा कि साधु महाराज अभी भी पेड़ के नीचे बैठे भगवान का नाम जप रहे हैं तो उन्हें यह जगह छोड़ने की सलाह दी। पर साधु ने कहा तुम लोग अपनी जान बचाओ मुझे तो मेरा भगवान बचाएगा। धीरे-धीरे पानी का स्तर बढ़ता गया और पानी साधु के कमर तक आ पहुंचा, इतने में वहां से एक नाव गुजरी। मल्लाह ने कहा- हे साधू महाराज आप इस नाव पर सवार हो जाइए मैं आपको सुरक्षित स्थान तक पहुंचा दूंगा। नहीं, मुझे तुम्हारी मदद की आवश्यकता नहीं है, मुझे तो मेरा भगवान बचाएगा !! साधु ने उत्तर दिया। नाव वाला चुप-चाप वहां से चला गया। कुछ देर बाद बाढ़ और प्रचंड हो गयी , साधु ने पेड़ पर चढ़ना उचित समझा और वहां बैठ कर ईश्वर को याद करने लगा। तभी अचानक उन्हें गड़गडाहत की आवाज सुनाई दी, एक हेलिकोप्टर उनकी मदद के लिए आ पहुंचा, बचाव दल ने एक रस्सी लटकाई और साधु को उसे जोर से पकड़ने का आग्रह किया। पर साधु फिर बोला-मैं इसे नहीं पकडूँगा, मुझे तो मेरा भगवान बचाएगा। उनकी हठ के आगे बचाव दल भी उन्हें लिए बगैर वहां से चला गया कुछ ही देर में पेड़ बाढ़ की धारा में बह गया और साधु की मृत्यु हो गयी मरने के बाद साधु महाराज स्वर्ग पहुचे और भगवान से बोले- हे प्रभु मैंने तुम्हारी पूरी लगन के साथ आराधना की। तपस्या की पर जब मै पानी में डूब कर मर रहा था तब तुम मुझे बचाने नहीं आये, ऐसा क्यों प्रभु? भगवान बोले, हे साधु महात्मा मै तुम्हारी रक्षा करने एक नहीं बल्कि तीन बार आया, पहला, ग्रामीणों के रूप में, दूसरा नाव वाले के रूप में और तीसरा हेलीकाप्टर बचाव दल के रूप में किन्तु तुम मेरे इन अवसरों को पहचान नहीं पाए।

8 अंतर खोजें

हंसना मना है

भूगोल की खूबसूरत टीचर को देखकर संता आह भरकर बोला... टीचर- गंगा कहां से निकलती है और कहां मिलती है? संता- घर से स्कूल के लिए मेकअप कर निकलती है, और स्कूल के पीछे कालू से मिलती है।

बेटा- मम्मी, तुम्हारे लिए मेरी क्या कीमत है? मां- बेटा तू तो करोड़ों का है... बेटा- तो उसी करोड़ों मे से 25000 रुपये देना, गोवा घूमने जाना है! फिर मां ने की चप्पलों की बरसात!

एक अजनबी लड़की आधी रात को वकील को फोन करके बोली- आप मेरा फ्रेंड बनेंगे? वकील- हां क्यों नहीं, आपका नाम क्या है लड़की-धारा वकील- कौन सी धारा 144 या 145 ल?की ने तुरंत फोन काट दिया...

सोनू- मैंने एक चीज बनाई है जिससे तू दीवार के आर पार देख सकता है। मोनू- वाह, ऐसी क्या चीज बनाई है? सोनू- छेद।

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

धनार्जन होगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कोर्ट व कचहरी में अनुकूलता रहेगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। प्रमाद न करें। व्यापार-व्यवसाय में इच्छित लाभ की संभावना है।

वृषभ

संतान के कार्यों पर नजर रखें। पूंजी निवेश बढ़ेगा। प्रचार-प्रसार से दूर रहें। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का मौका मिलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

मिथुन

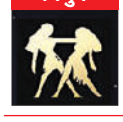

जोखिम व जमानत के कार्य न करें। लक्ष्य को ध्यान में रखकर प्रयत्न करें, सफलता मिलेगी। शुभ कार्यों में संलग्न होने से सुयश एवं सम्मान प्राप्त हो सकेगा। धन की आवक बनी रहेगी।

कर्क

भौतिक विकास के कार्यों को बल मिलेगा। फालतू खर्च होगा। भागीदारी के प्रस्ताव आएंगे। दिनचर्या नियमित रहेगी। यात्रा, निवेश व नौकरी मनोनुकूल रहेंगे। चोट, चोरी व विवाद आदि से हानि संभव है।

सिंह

प्रतिष्ठा बढ़ेगी। शत्रु शांत रहेंगे। धनार्जन होगा। आज विशेष लाभ होने की संभावना है। मेहनत का फल मिलेगा। कार्यसिद्धि से प्रसन्नता रहेगी। बुद्धि एवं मनोबल से सुख-संपन्नता बढ़ेगी।

कन्या

मान बढ़ेगा। मेहमानों का आवागमन होगा। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। प्रसन्नता रहेगी। जल्दबाजी न करें। जोखिम के कार्यों से दूर रहें। पराक्रम में वृद्धि होगी। उलझनों से मुक्ति मिलेगी।

तुला

स्वास्थ्य का ध्यान रखें। दुःखद समाचार मिल सकता है। चिंता बनी रहेगी। व्यापार-व्यवसाय में सावधानी रखें। क्रोध पर नियंत्रण रखें। वास्तविकता को महत्व दें। प्रयासों में सफलता के योग कम हैं।

वृश्चिक

यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल लाभ देंगे। भेंट आदि की प्राप्ति होगी। कोई बड़ा कार्य होने से प्रसन्नता रहेगी। व्यापार में उन्नति के योग हैं। संतान की ओर से सुखद स्थिति बनेगी।

धनु

उदर विकार के योग के कारण खान-पान पर संयम रखें। विवादों से दूर रहना चाहिए। आर्थिक प्रगति में रुकावट आ सकती है। वाणी पर नियंत्रण रखें। अप्रत्याशित बड़े खर्च सामने आएंगे।

मकर

धनार्जन होगा। प्रमाद न करें। संतान के कार्यों से समाज में प्रतिष्ठा बढ़ेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नेतृत्व गुण की प्रधानता के कारण प्रशासन व नेतृत्व संबंधी कार्य सफल होंगे। शत्रुओं से सावधान रहें।

कुम्भ

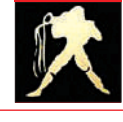

समय की अनुकूलता का लाभ अधिकाधिक लेना चाहिए। नवीन उपलब्धियों की प्राप्ति संभव है। व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा। नई योजना बनेगी। नए अनुबंध होंगे। कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है।

मीन

रुके कार्य बनेंगे। जोखिम न लें। वाणी पर नियंत्रण रखना होगा। व्यवहार कुशलता एवं सहनशीलता के बल पर आने वाली बाधाओं का समाधान हो सकेगा। खानपान पर नियंत्रण रखें।

पृथ्वीराज में अक्षय कुमार के किरदार ने जीता दिल

बॉलीवुड | मसाला

अक्षय कुमार की मोस्ट अवेटेड फिल्म पृथ्वीराज का टीजर रिलीज कर दिया गया है। इस फिल्म के रिलीज होने का फैंस काफी दिनों से इंतजार कर रहे हैं। फिल्म की एक झलक पाने के लिए दर्शक बेताब थे। इस बात को समझते हुए मेकर्स ने इस फिल्म का टीजर रिलीज कर दिया है। रिलीज होने के साथ ही पृथ्वीराज फिल्म के टीजर ने धमाल मचा दिया है। करीब एक मिनट 22 सेकेंड के इस टीजर को लोग खूब पसंद कर रहे हैं। इस फिल्म में अक्षय कुमार का लुक बेहद आकर्षक है। अक्षय कुमार जिस तरह के अभिनय के लिए जाने जाते हैं, उनका वही अंदाज इस फिल्म के टीजर में देखने को मिलता है। इस

फिल्म के टीजर में देख सकते हैं कि पृथ्वीराज के चरित्र और उनके महान गाथा को फिल्म में दिखाने की कोशिश की गई है। संजय दत्त भी टीजर में एक्शन देते नजर आ रहे हैं। सोनू सूद का अंदाज भी फिल्म में दर्शकों को खूब पसंद आ रहा है।

मानुषी के किरदार को पसंद कर रहे हैं लोग

पृथ्वीराज के किरदार और इस फिल्म को और भी बेहतरीन बनाने में मानुषी ने शानदार अभिनय किया है। मानुषी ने पृथ्वीराज के प्रेमिका का किरदार निभाया है। यश राज फिल्मस के बैनर तले इस फिल्म का निर्माण हो रहा है। यह फिल्म 2022 में मानुषी के सर्वाधिक बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। ऐसे में एक्ट्रेस के फैंस इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। यशराज फिल्म के यूट्यूब चैनल पर इस टीजर को रिलीज किया गया है। 15 नवंबर 2021 को रिलीज होने के बाद ही इस फिल्म के टीजर ने धमाल मचा रखा है। कुछ ही घंटों में हजारों लोगों ने इस टीजर को देख लिया है। फैंस इस टीजर को देखकर काफी खुश हो रहे हैं।

मुश्किल में है एसएस राजामौली की फिल्म RRR

एसएस राजामौली के निर्देशन में बनी बिग-टिकट फिल्म आरआरआर इन दिनों गहरे संकट में है। अगर आंध्र प्रदेश में चल रहे टिकट की कीमत को ध्यान में रखा जाए, तो फिल्म को बड़ा नुकसान झेलना पड़ सकता है। मेगा बजट बजट की फिल्म होने के कारण मेकर्स इस मसले को सुलझाने की कोशिश कर रहे हैं।

आरआरआर के निमार्ता जाहिर तौर पर खरीददार के लिए बिक्री मूल्य कम करने के लिए तैयार नहीं हैं क्योंकि 20 फीसदी की कटौती से भी 20 करोड़ रुपये का भारी नुकसान होगा। विश्लेषकों का मानना है कि उपरोक्त कीमतों पर भी बजट निवेश हासिल करने का कोई तरीका नहीं है। वहीं, चर्चा थी कि आरआरआर का प्रोडक्शन हाउस डीवीवी एंटरटेनमेंट मुद्दों को सुलझाने के लिए अदालतों का दरवाजा खटखटाएगा। हैरानी की

बात यह है कि डीवीवी एंटरटेनमेंट्स ने एक ट्वीट के साथ कहा कि वे कानूनी सहारा नहीं लेंगे और इसके बजाय आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री से टिकट मूल्य निर्धारण के मुद्दों को हल करने का अनुरोध करेंगे। निमार्ताओं का कहना है कि यह सच है कि टिकट की कीमतों में कमी से हमारी फिल्म पर काफी असर पड़ेगा। लेकिन हमारा अदालत जाने का कोई इरादा नहीं है। निर्माता ने आगे बताया, हम आंध्र प्रदेश के माननीय सीएम गरु से संपर्क करने और सौहार्दपूर्ण समाधान के लिए अपनी स्थिति समझाने की कोशिश कर रहे हैं। आंध्र प्रदेश में टिकट मूल्य निर्धारण का मुद्दा जनसेना प्रमुख और तेलुगु स्टार पवन कल्याण द्वारा सरकार के सामने उठाए जाने के बाद शुरू हुआ। पवन ने एक फिल्म समारोह में टिप्पणी की थी, मैं अपनी फिल्मों में कड़ी मेहनत करता हूं और वाईएसआरसीपी पार्टी के लोगों के विपरीत पैसा कमाता हूं, वे सीमेंट उद्योग, शराब उद्योग हैं और अवैध तरीके से पैसा कमाते हैं। पवन की इन टिप्पणियों ने सरकार को फिल्म टिकटों की कीमतों में कमी करने के लिए कानून लागू करने के लिए प्रेरित किया था।

बॉलीवुड | मन की बात

अपने बहनोई को लेकर हैरान हो गए सलमान खान

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान ने अपने बहनोई और एक्टर आयुष शर्मा के बारे में मीडिया से बात की है। उन्होंने बताया कि आखिर क्यों वह अपने बहनोई को देखकर हैरान रह गए थे। सलमान खान ने फिल्म लवयात्री से लेकर फिल्म अंतिम; द फाइनल ट्रुथ तक में अपने बहनोई और अभिनेता आयुष शर्मा के शारीरिक परिवर्तन को लेकर बात की है। बॉलीवुड स्टार सलमान खान ने इस बारे में बात करते हुए बताया कि वह प्रारंभ से लेकर अब तक में अपने बहनोई के शारीरिक परिवर्तन को देखकर स्तब्ध हैं। उन्होंने बताया कि एक्टिंग और टोंड बॉडी से लेकर अपने चरित्र की बारीकियों तक आयुष ने फिल्म में किरदार के गुणों को आत्मसात किया है। आयुष ने इस फिल्म में एक खूंखार गैंगस्टर का अभिनय किया है। इसके साथ ही एक्टर सलमान ने कहा, मैं हैरान था, लवयात्री से लेकर अंतिम तक आयुष में बहुत बड़ा परिवर्तन हुआ है। उन्होंने फिल्म में इतनी मेहनत की है कि उनके काम की सराहना की जाएगी। वहीं आयुष के बारे में बात करते हुए निर्देशक महेश मांजरेकर ने कहा, आयुष ने शारीरिक परिवर्तन पर वास्तव में कड़ी मेहनत की है। उन्होंने कहा कि हमें एक बहुत सख्त दिखने वाले लड़के की जरूरत थी। मुझे एहसास हुआ कि इस लड़के में बहुत जुनून है और वह बेहद केंद्रित है। वह जानता है कि वह क्या करना चाहता है, मुझे लगता है कि आयुष ने एक शानदार काम किया है।

भारत के सबसे चालाक चोरों की हरकत देख विदेशी चोर भी हो जाएंगे हैरान!

दुनिया में चोरी की कई ऐसी वारदातें हुई हैं जिनके बारे में जानकर लोग दंग हो जाते हैं। मगर भारतीय चोर चोरी की वारदातों को अंजाम देने में विदेशी चोरों से पीछे नहीं हैं। कैमरे में कई बार भारतीय चोरों की ऐसी वारदातें कैद हो गई हैं जिन्हें देखकर लोग दंग हो जाते हैं। गाड़ी से सामान चुराना या घर में डकैती डालना या फिर पॉकेट मार लेने में इन चोरों ने जैसे महारत हासिल कर ली है। यूट्यूब चैनल हिन्दी काउंटडाउन पर कुछ दिन पहले ही एक वीडियो शेयर किया गया है जिसमें भारतीय चोरों द्वारा की गई चोरी की वारदातों को दिखाया गया है। इस वीडियो में अजब-गजब तरीके से शातिर चोर चोरी की घटनाओं को अंजाम देते नजर आ रहे हैं। वीडियो में दिल्ली से लेकर मुंबई तक के चोरों और उनके गिरोहों के बारे में बताया गया है, जो ब?ी ही चालाकी से लोगों को मूर्ख बनाकर उनका भारी नुकसान कर देते हैं। वायरल हो रहे इस वीडियो में अलग-अलग शहरों में हुई वारदातों की क्लिप हैं जिनमें गिरोह में काम करने वाले चोरों से लेकर बच्चा चोर तक की क्लिप शामिल है। वीडियो में दिखाया गया है कि दिल्ली की कुख्यात ठक-ठक गैंग कैसे काम करती है। एक शख्स अपनी कार लेकर आता है तभी 2 चोर स्कूटी से निकलते हुए उसे बताते हैं कि कार का टायर पंचर है। जब शख्स कार से बाहर टायर देखने के लिए आता है तो स्कूटी पर बैठे 2 और चोर पता पूछने के बहाने उससे बात करने लगते हैं। जब उसका ध्यान हटता है तो चोरों का एक और साथी गाड़ी के पीछे से सामान निकालकर भाग जाता है।

अजब-गजब | यहां आने वाले ग्राहकों का स्वागत खून से सने चाकुओं से किया जाता है

ये है दुनिया का पहला भूतिया रेस्टोरेंट

आज जब भी किसी होटल या रेस्टेरेंट में खाना खाने जाते होंगे तो रेस्टेरेंट के कर्मचारी बहुत ही सलीके और साफ-सुधरी ड्रेस पहनकर आपका स्वागत करते होंगे और आपको बड़े सलीके से खाना भी खिलाते होंगे। लेकिन आज हम आपको एक ऐसे रेस्टोरेंट के बारे में बताने जा रहे हैं। यहां भूत लोगों का स्वागत करने पहुंचते हैं और खाना भी खिलाते हैं। इसे देखकर यकीनन किसी की भी चीख निकल सकती है। दरअसल, हम बात कर रहे हैं स्पेन के एक रेस्टोरेंट की जिसका नाम है 'ला मासिया एंकांटडा'। इस रेस्टोरेंट का कॉनसेप्ट शायद दुनिया में सबसे अलग है और ये इसके इतिहास से प्रेरित है। असल में यहां कोई भूत प्रेत नहीं होता है, बल्कि रेस्टोरेंट के कर्मचारी भूत-प्रेत बनकर लोगों को खाना परोसते हैं। इतना ही नहीं यहां आने वाले ग्राहकों का स्वागत खून से सने चाकुओं से किया जाता है।

दरअसल, 17वीं शताब्दी में जोसफ मा रिएस ने मासिया और सुरोका ने मासिया सेंटा रोजा नामक भवन बनवाया। लेकिन आगे चलकर इस भवन पर पारिवारिक विवाद हो गया। एक दिन सुरोका और रिएस ने कार्ड उछालकर अपनी किस्मत तय की। रिएस सारी संपत्ति हार गए। उनके परिवार ने घर छोड़ दिया और परिवार ने नई संपत्ति खड़ी की। देखते ही देखते मासिया सेंटा रोजा खंडहर में तब्दील हो गई। बताया जाता है कि ये इमारत दो सदियों तक वीरान पड़ी और उसके बाद सुरोका के वंशजों ने 1970 में इस इमारत में एक रेस्टोरेंट बनाया। उनका परिवार मानता था कि इस इमारत को कोई श्राप लग गया है, लिहाजा वहीं से उन्हें ये विचार आया कि क्यों न रेस्टोरेंट को हॉन्टेड रेस्टोरेंट के रूप में चलाया जाए। बस तब से लेकर आज तक ये रेस्टोरेंट हॉन्टेड रेस्त्रां के रूप में चल रहा है। यहां पर भूतों के परिवेश में वेटर भोजन परोसते हैं और भोजन का समय निर्धारित है। इस रेस्टोरेंट में 60 सीटें हैं और खाना खाने के लिए आपको पहले से ही बुकिंग करवानी होती है। निर्धारित समय पर जब ग्राहक पहुंचते हैं, तो उनका स्वागत खून से सने चाकू, तलवार या हसिये से किया जाता है। आगे बढ़ते ही पंजा या नकली लाशें जो देखने में एकदम असली लगती हैं आपको लटकी हुई मिल जाएंगी यही नहीं खाना खाते वक्त ग्राहकों के लिए एक शो का संचालन किया जाता है, जिसे देखना हर किसी के बस की बात नहीं होती। इसमें तरह-तरह के भूत-प्रेत के वेश में लोग आपका मनोरंजन करने के साथ-साथ कुछ अलग परोसने की कोशिश करते हैं, जिसे देखकर किसी की भी चीख निकल सकती है। इस रेस्टोरेंट की सबसे खास बात ये है कि इस हॉरर शो में ग्राहक महज मूक दर्शक बनकर नहीं बैठ सकते।

बल्कि वह भी डरावनी कहानियों का हिस्सा बन जाते हैं। इस अनोखे रेस्टोरेंट में मोबाइल ले जाना मना है। साथ ही रेस्टोरेंट में कैमरा, डिजिकैम, वीडियो कैमरा अदि प्रतिबंधित हैं। अगर किसी को भूत-प्रेतों से बहुत लगाव है या देखना पसंद करते हैं वह लोग इस रेस्टोरेंट में खाना खाने के लिए आ सकते हैं।

उन्नाव में जीका वायरस की दस्तक कानपुर में बढ़े संक्रमण से हड़कंप

» गर्भवती महिला समेत कानपुर में पांच नए केस मिले, रिपोर्ट में हुई पुष्टि

» उन्नाव में केस मिलने से लोगों में दहशत, स्वास्थ्य विभाग अलर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अब उन्नाव में जीका वायरस ने दस्तक दे दी है। शुक्लागंज में रहने वाले एक युवक में जीका वायरस की पुष्टि हुई। वहीं कानपुर में संक्रमण की रफ्तार बढ़ती जा रही है। यहां पांच और लोग वायरस की चपेट में आ गए हैं। इससे हड़कंप मच गया है।

उन्नाव में युवक को कई दिनों से बुखार आ रहा था। कानपुर में उसकी जांच हुई थी। रिपोर्ट में जीका वायरस की पुष्टि हुई है। संक्रमण की पुष्टि होने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने युवक को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। घर के आस-पास दवाओं का छिड़काव भी किया जा रहा है। डीएम ने कैम्प लगाकर कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग के निर्देश दिए हैं। डीएम रवींद्र कुमार ने बताया कि जीका का एक केस शुक्लागंज में मिला है। संक्रमित व्यक्ति कानपुर की एक फैक्ट्री में काम करता है और वह रोज आता जाता था। वहीं कानपुर में जीका वायरस दूसरे क्षेत्रों में भी तेजी से पांव पसारने लगा है। वायरस चकेरी से फेथफुलगंज होते हुए दर्शनपुरवा पहुंच गया है। वहां एक गर्भवती में संक्रमण की पुष्टि हुई है। मंगलवार को तीन महिलाओं समेत पांच संक्रमित मिले हैं, जिसमें चार फेथफुलगंज, जिसमें एक बच्ची व एक युवती, जाजमऊ के छबीलेपुरवा स्थित फैक्ट्री में कार्यरत कर्मचारी है।

सीएमओ डा. नेपाल सिंह ने बताया कि किंग जार्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी लखनऊ से आई जांच रिपोर्ट में पांच और जीका संक्रमित मिले हैं। उसमें फेथफुलगंज के चार संक्रमितों में दो महिलाएं हैं, जिसमें 10 वर्ष की बच्ची और 20 वर्ष की युवती है। इसके साथ कानपुर में संक्रमितों की संख्या 130 पहुंच गयी है।

कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग के निर्देश

कानपुर में संक्रमितों के स्वजन व रिश्तेदारों की सैंपलिंग के निर्देश दिए हैं। घर-घर सर्वे, दवा छिड़काव, साफ-सफाई और फागिंग कराने के निर्देश दिए हैं।

दिल्ली-एनसीआर में अगले आदेश तक स्कूल-कॉलेज बंद

» ट्रकों की एंट्री बैन, वायु गुणवत्ता में सुधार नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में प्रदूषण की बढ़ती मार का असर स्कूलों और कॉलेजों पर पड़ा है। कोविड की दूसरी लहर के चलते महीनों बाद इसी नवंबर में खुले स्कूल और कॉलेज एक बार फिर ऑनलाइन शिफ्ट हो गए हैं। केंद्र सरकार के एक पैनल ने कहा कि दिल्ली-एनसीआर के सभी स्कूल बंद रहेंगे।

आदेश में कहा गया कि आज से क्लास ऑनलाइन चलेगी। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने दिल्ली और आसपास के इलाकों में प्रदूषण की स्थिति को नियंत्रित करने के निर्देश जारी किए। कम से कम 50 फीसदी अधिकारियों को 21 नवंबर तक वर्क फ्रॉम होम की अनुमति मिलनी चाहिए। इसके साथ ही निजी दफ्तरों में भी इस तरह के इंतजाम किए जाएं। आयोग ने कहा है कि 21 नंवबर तक दिल्ली में सभी ट्रकों की एंट्री पर रोक लगा दी गई है। यह पाबंदी गैर जरूरी वस्तुओं की आपूर्ति कर रहे ट्रकों पर ही लागू होगी। इसके साथ मेट्रो, रक्षा, एयरपोर्ट को छोड़कर हर तरह के निर्माण कार्य पर 21 नवंबर तक रोक होगी। मंगलवार को दिल्ली की वायु गुणवत्ताएक बार फिर से 'गंभीर' श्रेणी में चली गई है और 24 घंटे का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 403 दर्ज किया गया। यह मंगलवार सुबह तक 'बहुत खराब' श्रेणी में था और 396 दर्ज किया गया था। शाम चार बजे गाजियाबाद में एक्यूआई 356, ग्रेटर नोएडा में 361, गुरुग्राम में 369 और नोएडा में 397 दर्ज किया गया। यह 'बहुत खराब' श्रेणी में आता है।

मालगाड़ी के आठ वैगन बेपटरी परिचालन बाधित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंदौली। पीडीडीयू नगर जंक्शन स्थित यार्ड में आज सुबह छह बजकर 27 मिनट पर मंडल के इलाहाबाद लाइन पर जीवनाथपुर स्टेशन के बीच मालगाड़ी के आठ वैगन पटरी से पलट गए। वे लाइन को तोड़ते हुए खेत में गिर गए। इससे परिचालन बाधित हो गया।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार दुर्घटना के कारण डाउन लाइन का परिचालन बंद हो गया है। मौके पर वरीय मंडल सुरक्षा आयुक्त, एडीआरएम, वरीय मंडल परिचालन डीडीयू सभी घटना स्थल पर मौजूद रहे और यातायात बहाली के लिए सक्रिय रहे। बताया कि गुजरात के राजकोट से सियालदह के पास काशीपुर स्टेशन यह ट्रेन जा रही थी। वहीं हादसे के बाद सभी गाड़ियों को व्यासनगर से रूट बदलकर बनारस की तरफ से संचालित किया जा रहा है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार पूरे कंटेनर में टाइल्स लदी हुई हैं।

करतारपुर कॉरिडोर खोल भाजपा ने खेला दांव, सिखों में पैठ बनाने की तैयारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब में 2022 में होने वाले विधान सभा चुनाव से ठीक पहले करतारपुर कॉरिडोर को खोलकर भाजपा ने नया दांव खेल दिया है। अभी तक हिंदू वोटरों पर दावा करने वाली पार्टी इस फैसले के जरिए 58 प्रतिशत सिख वोटरों में भी पैठ बनाने का प्रयास करेगी।

26 मार्च 2022 को पंजाब सरकार के पांच साल पूरे हो जाएंगे। सभी पार्टियां चुनावी तैयारियों में जुट गई हैं। भाजपा भी शिरोमणि अकाली दल से अलग होने के बाद राज्य में अपनी जमीन तलाश रही है। राज्य के भाजपा नेताओं के दो दिन के दिल्ली दौरे के बाद गुरुनानक देव जी के 552 वें प्रकाश पर्व के ठीक पहले करतारपुर गलियारे को आज खोलने का फैसला लिया गया। राजनीतिक इसे पार्टी का मास्टर स्ट्रोक मान रहे हैं। 2011 में हुई जनगणना के अनुसार पंजाब में करीब 58 प्रतिशत आबादी सिखों की है।

इस अहम फैसले से भाजपा सबसे अधिक सिख वोटरों में पैठ बनाने का प्रयास करेगी। राज्य में करीब 38 प्रतिशत हिंदू हैं, जिस पर भाजपा अपना दावा करती रही है। इस बार भाजपा पहली बार शिअद के बिना पंजाब की सियासी लड़ाई में उतरने जा रही है। अगस्त में पाकिस्तान ने भारत सहित 11 देशों की यात्रा पर प्रतिबंध लगाया था। डेल्टा वैरियंट के प्रकोप की वजह से पाकिस्तान ने 22 मई से लेकर 12 अगस्त तक भारत को सी कैटेगरी में डाल दिया था। 16 मार्च, 2020 को भारत और पाकिस्तान ने कोविड-19 को देखते हुए अस्थायी तौर पर करतारपुर साहिब की यात्रा पर प्रतिबंध लगाया था।

पंजाब विधान सभा चुनाव

» पंजाब में अकाली दल के बिना चुनाव में उतरेगी भाजपा

रोड टैक्स जमा नहीं किया तो अब होगा चालान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» रेडियम प्लेट नहीं तो 10 हजार का जुर्माना

गाजियाबाद। दिल्ली-एनसीआर में आप गाड़ी चला रहे हैं और अभी तक रोड टैक्स जमा नहीं किया है तो अब सावधान हो जाएं। गाजियाबाद में ऐसे वाहनों को जब्त करने का अभियान बहुत जल्द ही शुरू होने जा रहा है। शासन के निर्देश पर गाजियाबाद ही नहीं नोएडा, ग्रेटर नोएडा सहित पूरे उत्तर प्रदेश में 25 नवंबर तक अभियान चला कर टैक्स नहीं जमा करने वाले वाहनों को जब्त किया जाएगा। टैक्स जमा होने के बाद ही गाड़ियों को छोड़ा जाएगा। इसके साथ ही कमर्शियल वाहनों में रेडियम प्लेट नहीं लगे होने पर भी अब 10 हजार रुपये जुर्माना वसूला जाएगा।

गाजियाबाद में ठंड शुरू होने के साथ ही बड़े स्तर पर सख्ती शुरू की जा रही है। खासकर कोहरे से सड़क दुर्घटना न हो इसके लिए कई तरह के कदम उठाए जा रहे हैं। रविवार को ही गाजियाबाद के आरटीओ प्रवर्तन राघवेंद्र सिंह की अगुवाई में जिले के पुराने वाहनों को सीज करने का काम शुरू हुआ है। चेकिंग के दौरान बिना इंश्योरेंस और फिटनेस सर्टिफिकेट के चलने वाले वाहनों को भी चालान किया जा रहा है। बता दें कि देश के कई राज्यों में खतरनाक और गलत तरीके से वाहन चलाने पर विशेषतौर पर निगरानी की जा रही है। खासकर यूपी, हरियाणा, मध्य प्रदेश और बिहार जैसे राज्यों में अगर आपने गलत तरीके से वाहन चलाया तो अब चालान के साथ-साथ आपका ड्राइविंग लाइसेंस भी रद्द किए जा रहे हैं।

क्या यूपी चुनाव में सुनायी देगी पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे की गूंज

» यूपी में विकास के नाम पर नहीं मिलते हैं वोट

» 4पीएम की परिचर्चा में उठे कई सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के लोकार्पण से भाजपा गदगद है। हालांकि सपा-भाजपा में इसको लेकर घमासान जारी है। सवाल यह है कि आखिर एक्सप्रेस-वे पर चुनावी जहाज कौन उड़ा पाएगा अखिलेश यादव या योगी आदित्यनाथ? ऐसे कई सवाल उठे वरिष्ठ पत्रकार अमलेंदु उपाध्याय, अनिल रायल, हेमंत तिवारी, दीपक शर्मा, लेखक रविकांत, पूर्व आईएएस सूर्य प्रताप सिंह और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा के बीच चली लंबी परिचर्चा में।

अमलेंदु उपाध्याय ने कहा कि विकास के नाम पर आज तक कोई दल जीत कर नहीं आया। मसलन शीला दीक्षित ने दिल्ली ने बड़ा विकास किया लेकिन वे अपना ही चुनाव हार गयीं। भाजपा का एजेंडा विकास नहीं है। अनिल रायल ने कहा, यूपी में विकास के नाम पर वोट देने की परिपाटी वर्षों से नहीं है। जाति, धर्म और विचारधारा के नाम पर मतदान हो रहे हैं। एक्सप्रेस वे की गूंज चुनाव में सुनाई नहीं देने वाली है। रविकांत ने कहा, आज जिस एक्सप्रेस वे पर मोदी का हवाई जहाज उतारा गया वहीं हवाई अड्डे बेच रहे हैं। लोकतंत्र का दुर्भाग्य है कि यहां एजेंडा रहित राजनीति हो रही है। भाजपा जानती है धर्म और राष्ट्रवाद से वोट मिलेगा वह इस पर काम कर रही है। सूर्य प्रताप सिंह ने कहा, पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर बहुत खर्च किया गया है। मानक के हिसाब से यह बना नहीं है। एक्सप्रेस वे गरीबों के लिए नहीं सड़क अमीरों के लिए हैं। यह जिन गांवों से जुड़ी है वहां गरीबी है।

» गरीबों को नहीं अमीरों को मिलेगा एक्सप्रेस वे का फायदा

परिचर्चा

रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

एक साल में शानदार काम को अंजाम दिया पुलिस कमिश्नर डीके ठाकुर ने

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के पुलिस कमिश्नर डीके ठाकुर ने अपने एक साल के कार्यकाल में शानदार काम किया है। उन्होंने आज स्पष्ट रूप से कहा कि राजधानी में अपराध को कम करने के लिए पुलिस अधिकारी व थानाधिकारी लगातार गश्त करें। क्षेत्र की मानिटरिंग करें। बदमाशों व तस्करों पर सख्त कार्रवाई करें। डीके ठाकुर ने कहा कि राजधानी में अपराध और कम करने के लिए जल्द पांच नए थाने बनेंगे, जिससे अपराध पूरी तरह से नियंत्रित होगा। थाने खुलने से अपराध को बढ़ावा देने वालों लोगों पर निगरानी भी की जा सकेगी।

दरअसल, राजधानी में जब पिछले वर्ष 18 नवंबर को पुलिस आयुक्त डीके ठाकुर ने चार्ज संभाला तो कई चुनौतियों को स्वीकार करते हुए बेहतर कानून-व्यवस्था पर विशेष ध्यान आकर्षित किया। खास बात यह है कि जब से लखनऊ में कमिश्नरी लागू हुई थी तब से अभी तक मात्र एक ऐसे ही पुलिस आयुक्त डीके ठाकुर ही हैं जिन्होंने प्रतिमाह दो से तीन बार हर थानों में पहुंच लम्बित विवेचनाओं की समीक्षा की।

बता दें कि डीके ठाकुर ने पुलिस कमिश्नर लॉ एंड ऑर्डर के कार्यालय में पुलिस वस्त्र सेवा केन्द्र का उद्घाटन किया। इस वस्त्र केन्द्र में हर गरीबों को निशुल्क वस्त्र दिए गए जो केंद्र अभी तक सुचारु है। इसके अलावा पुलिस कमिश्नर डीके ठाकुर ने राजधानी में महिलाओं और छात्राओं से छेड़छानी, अभद्र टिप्पणी की शिकायतों पर फरवरी माह में महिला हेल्पलाइन 9454400290 जारी किया, जिसमें महिलाओं की शिकायतों पर तत्काल कार्यवाही करते हुए कई शोहदों को सबक सिखाया गया और शिकायतकर्ता महिलाओं का नाम और मोबाइल नम्बर पूर्ण तरह से गोपनीय रखा गया गया और इस हेल्पलाइन की प्रतिदिन डीके ठाकुर ने खुद मानिटरिंग की।

तीन वर्ष के आंकड़ों पर एक नजर

वर्ष	लूट	चोरी	अपहरण	दहेज हत्या	दुष्कर्म	मुकदमे
2018	35	3297	395	60	102	19878
2019	28	2438	306	52	85	15090
2020	22	2221	296	47	77	14147

» पुलिस कमिश्नर के पद पर एक साल का कार्यकाल किया पूरा

» गरीबों के लिए वस्त्र, महिलाओं के लिए हेल्पलाइन बड़ी उपलब्धि

अपराधों में आई भारी गिरावट

पुलिस कमिश्नर डीके ठाकुर ने जब से लखनऊ का चार्ज संभाला है तब से अपराधों का ग्राफ नीचे गिरा है। एक वर्ष के आंकड़ों में महिला संबंधित अपराध में काफी गिरावट देखने को मिली। 2020 में महज 14 हजार ही मुकदमे दर्ज हुए जबकि 2019 में 15 हजार मुकदमे दर्ज किए गए थे। पिछले तीन सालों की बात करें तो पुलिस आयुक्त डीके ठाकुर के कार्यालय में बल्वा, चोरी, लूट, महिला अपराध में गिरावट देखने को मिली है तथा अपराधियों पर सख्ती दिखाते हुए सैंकड़ों अपराधियों को जिला बदर किया गया। अपराध पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस आयुक्त ने राजधानी में नए थाने को बनवाने के लिए शासन को पत्र लिखा था, जिस पर सहमति भी मिल गई है।

चित्रकूट में लड़की हूं लड़ सकती हूं नारे को प्रियंका ने दी धार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव प्रियंका वाड्रा आज सुबह प्रयागराज एयरपोर्ट पहुंचीं। उनसे मिलने के लिए शहर के तमाम वरिष्ठ कांग्रेस नेता भी एयरपोर्ट पर पहुंच गए हैं। कांग्रेसियों की तरफ से प्रियंका वाड्रा के लिए प्रयागराज का सुर्खा अमरूद भी ले जाया गया है। यहां वह कुछ देर कांग्रेसियों से वार्ता भी करने की कांग्रेसजनों को उम्मीद थी।

हालांकि प्रियंका ने सिर्फ उनका हाथ हिलाकर अभिवादन स्वीकार किया। इसके बाद वह सड़क मार्ग से चित्रकूट के लिए रवाना हो गईं। प्रियंका गांधी चित्रकूट के रामघाट पहुंच गई हैं, वहां वह महिलाओं से संवाद कर रही है। लड़की हूं लड़ सकती हूं नारे को प्रियंका चुनावी धार देने में जुटी हुई हैं। संवाद में महिलाओं को 40 फीसदी टिकट देने का भी वादा किया है। प्रियंका गांधी प्रयागराज के रास्ते लखनऊ के लिए रवाना होंगी। प्रियंका वाड्रा का चित्रकूट में कांग्रेसियों ने स्वागत किया। प्रियंका संवाद के बाद वह वापस प्रयागराज आ जाएंगी। इसके बाद यहां से वह सीधे लखनऊ के लिए रवाना होंगी। वहां उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव के लिए टिकट वितरण को लेकर वह प्रदेश कांग्रेस कमेटी के साथ बैठक करेंगी। ऐसे में कयास लगाए जा रहे हैं कि अब जल्द ही टिकट वितरण भी कर दिया जाएगा।

» महिलाओं के साथ कांग्रेस महासचिव ने किया संवाद

इस बार बनेगी किसानों की सरकार : जयंत चौधरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हापुड़। जिले के गढ़मुक्तेश्वर कार्तिक पूर्णिमा मेला चल रहा है। इस मेले में अचानक पहुचे रालोद मुखिया जयंत चौधरी ने यहां मौजदू सभी श्रद्धालुओं को अचंभित कर दिया।

दरअसल, वह मेला स्थल पर अपने दिवंगत पिता चौधरी अजित सिंह के दीपदान करने के लिए आए थे। दीपदान करने के बाद उन्होंने सभी श्रद्धालुओं को गंगा स्नान की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान उन्होंने कहा कि कार्तिक पूर्णिमा मेले में मेरठ सेक्टर से लेकर हापुड़ दिल्ली सेक्टर में लगे रालोद के झंडे आने वाले विधानसभा चुनाव की तस्वीर बयां कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि तस्वीर साफ है कि इस बार किसानों की सरकार बनने जा रही है। वहीं जयंत चौधरी के आने की सूचना पर मेला स्थल पर किसानों में उत्साह बढ़ गया, जिसके कारण उनकी एक झलक पाने के लिए भीड़ उमड़ पड़ी। इस दौरान जयंत चौधरी ने श्रद्धालुओं को कहा कि पतित पावनी मां गंगा किनारे सभी लोग रालोद परिवार के सदस्य हैं। आप आस्था के साथ पूर्णिमा का स्नान कर सकुशल घर जाए।

बढ़ते वायु प्रदूषण पर किसानों को जिम्मेदार बताने वाले लोग माफी मांगे : राकेश टिकैत

» सुप्रीम कोर्ट भी कह चुका कि किसानों को जिम्मेदार ठहराना सही नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। तीनों केंद्रीय कृषि कानूनों के विरोध में दिल्ली-एसीआर के चारों बार्डर (सिंघु, शाहजहांपुर, टीकरी और गाजीपुर) पर जारी प्रदर्शन को आगामी 26 नवंबर को एक साल पूरा हो जाएगा। इस बीच दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण का मुद्दा गरमाया हुआ है।

दरअसल, दीवाली के बाद से दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण गंभीर श्रेणी में बना हुआ है। दिल्ली में वायु प्रदूषण में बढोतरी पराली का धुआं भी कुछ हद तक जिम्मेदार है। इसको लेकर केंद्र सरकार की ओर से सुप्रीम कोर्ट में जानकारी दी गई है कि दिल्ली के वायु प्रदूषण में पराली का योगदान मात्र 10 फीसदी है। इसको लेकर राजनीति जारी है। इसी क्रम में भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने कहा कि वायु प्रदूषण के लिए किसान या पराली जलने को जिम्मेदार नहीं मानना चाहिए। इसके लिए उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के बयान का हवाला भी दिया है। राकेश टिकैत ने ट्वीट किया कि पराली जलाने से अधिक वायु प्रदूषण का खलनायक ठहराने वाले किसानों से मांफी मांगे। सुप्रीम कोर्ट भी कह चुका कि किसानों को जिम्मेदार ठहराना सही नहीं क्योंकि 10 फीसदी प्रदूषण ही पराली से होता है, वह भी डेढ़-दो माह के लिए। दरअसल, पिछले कई सालों से दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण को लेकर पंजाब और हरियाणा में जलाई जा रही पराली को माना जाता है। हालांकि ज्यादातर जानकारी दिल्ली-एनसीआर के वायु प्रदूषण के लिए औद्योगिक और वाहनों के उत्सर्जन और आतिशबाजी के साथ-साथ किसानों द्वारा पराली जलाने को भी इसका प्रमुख कारण मानते हैं।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।